April 2024

DAILY PRESS CLIPPINGS

HEP, BHOPAL

Publicity & Public Relations

Date	Monday, April 08 , 2024

S no.	Pub.	Details	P no.
1	Sach Express	Med related news	3
2	Pradesh Today	Med related news	4
3	Patrika	Med related news	5
4	Patrika	Employee benefit related news	6
5	Swadesh	Overseas project related news	7
6	Patrika	TAD related news	8
7	Nav Duniya	TAD related news	9
8	Dainik Jagran	TAD related news	10
9	Raj Express	TAD related news	11
10	Nav Duniya	TAD related news	12

TODAY'S CLIPPINGS

Sach Express

Pub. Date	06.04.2024
Page no.	03
Journalist	Bhopal Bureau

रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी, पीडियाट्रिक व फिजियोथेरेपी में कई नई मशीनें उपलब्ध

कस्तूरबा चिकित्सालय में आकस्मिक चिकित्सा वार्ड व आईसीयू का उद्घाटन

सच प्रतिनिधि || भोपाल

भेल कार्यपालक निदेशक एसएम रामनाथन ने कस्तूरबा चिकित्सालय में आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए आकस्मिक चिकित्सा वार्ड व आईसीयू का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बीके सिंह, महाप्रबंधक मानव संसाधन, सेवाश्रम क्लब की अध्यक्षा श्रीमती संगीता रामनाथन, अविनाश चंद्रा, महाप्रबंधक डब्ल्यूईएक्स, एमओडी एवं एलबीएक्स तथा कस्तूरबा चिकित्सालय की डॉ श्रीमती अल्पना तिवारी, मुख्य चिकित्सा सेवाएं, सभी महाप्रबंधकगण, विभिन्न यूनियनों के अध्यक्ष व महासचिव, चिकित्सा सलाहकार समिति व मंगा सलाहकार समिति के सदस्यगण, कस्तूरबा चिकित्सालय के डॉक्टर्स, नर्सेस, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने नव विकसित आधुनिक सुविधाओं से युक्त आकस्मिक चिकित्सा वार्ड एवं आईसीयू का अवलोकन किया।

श्री रामनाथन ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि सभी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों को बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए बीएचईएल प्रबंधन प्रतिबद्ध है। उन्होंने अस्पताल में नए डॉक्टरों की उपलब्धता के साथ साथ अन्य नई सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि नवीनीकृत आईसीयू व कैजुअल्टी के बनने से मरीजों को काफी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही उन्होंने यह आश्वासन दिया कि अस्पताल की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए आगे भी हर संभव प्रयास किये जायेंगे। कार्यक्रम में बीके सिंह ने सभी लोगों से नये आईसीयू के प्रोटोकाल का पालन करने की अपील की और कहा कि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने हेतु नई मशीनों को भी यथा संभव क्रय किया जाएगा। डॉ. तिवारी ने वर्ष 2023-24 की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए कहा कि अस्पताल में 6 जनरल ड्यूटी मेडीकल ऑफिसर व एक ऑर्थोपेडिक स्पेशलिस्ट डॉक्टर ने ज्वाइन किया है तथा रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी, पीडियाट्रिक व फिजियोथेरेपी में कई नई मशीनें आई हैं। मेडिकल विभाग में दो नये डीएनबी डॉक्टर्स भी आये हैं। अस्पताल में सुपर स्पेशलिस्ट न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरो सर्जन, नेफ्रोलॉजिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कार्यक्रम में मेडीकल एवं टाउनशिप एडवाइजरी कमेटी, सभी यूनियनों के अध्यक्ष व महासचिव उपस्थित थे। सभी ने नये कैजुअल्टी व आईसीयू के प्रोटोकॉल्स के पालन में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रीमती रिम्पी सेठी, परामर्शदाता, नेत्र एवं आभार प्रदर्शन डॉ. श्रीमती पामेला रामदेव, महाप्रबंधक गाइनिकोलॉजी ने किया।

Pradesh Today

Pub. Date	06.04.2024
Page no.	08
Journalist	Bhopal Bureau

कस्तूरबा अस्पताल में आईसीयू व चिकित्सा वार्ड का शुभारंभ

भेल। भेल कर्मचारियों के बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कस्तूरबा अस्पताल में आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए आकस्मिक चिकित्सा वार्ड व आईसीयू का शुभारंभ हुआ। सुविधाओं का शुभारंभ करते हुए भेल के ईडी एसएम रामनाथन ने कस्तूरबा चिकित्सालय में आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए आकस्मिक चिकित्सा वार्ड व आईसीयू का अवलोकन किया। ईडी ने कहा कि सभी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों को बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए वीएचईएल प्रबंधन प्रतिबद्ध है। उन्होंने अस्पताल में नए डॉक्टरों की उपलब्धता के साथ अन्य नई सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि नवीनीकृत आईसीयू व कैथ्रलैबोरेटरी के बनने से मरीजों को काफी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथही उन्होंने यह आश्वासन दिया कि अस्पताल की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए आगे भी बेहतर संभव प्रयास किये जायेंगे।

Patrika

Pub. Date	07.04.2024
Page no.	01
Journalist	Bhopal Bureau

कस्तूरबा अस्पताल में मॉड्यूलेटेड इमरजेंसी केयर यूनिट और इमरजेंसी मेडिकल वार्ड शुरू

आईसीयू के 16 वार्ड और 4 केबिन की सेंट्रल मॉनिरिंग सिस्टम से करेंगे निगरानी

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

कस्तूरबा अस्पताल. कस्तूरबा अस्पताल की सुविधाओं को अपग्रेड करने किए जाने को लेकर भेलकर्मियों द्वारा लंबे समय से मांग की जा रही थी। जिस पर अब प्रबंधन ने अस्पताल की सुविधाओं को अपग्रेड करते हुए माड्यूलेटेड इमरजेंसी केयर यूनिट और इमरजेंसी मेडिकल वार्ड को शुरू कर दिया है। इसके पहले अभी तक अस्पताल में पुराने मॉडल के आईसीयू वार्ड से मरीजों को सुविधा मुहैया कराई जा रही थी, अब भेल के वर्तमान और रिटायर्डकर्मी और उनके परिजन सहित लगभग 50 हजार लोगों को लाभ होगा।

सिस्टम की यह हैं विशेषताएं

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इस नये आईसीयू के प्रोटोकॉल के साथ माड्यूलेटेड आईसीयू वार्ड में 16 बेड और 4 केबिन बनाए गए हैं। जो सेंट्रल मॉनिरिंग सिस्टम से पूरी तरह से लेस हैं। इसके माध्यम से डॉक्टर्स मरीजों की सतत मॉनिटरिंग कर सकेंगे। इसके अलावा सभी बेड को फुली ऑटोमेटिकली डिजाइन किया गया है। सभी बेडों को वेंटीलेटर युक्त डिजाइन किया गया है।

इमरजेंसी मेडिकल वार्ड में बढ़ेगी सुविधा

गौरतलब है कि कस्तूरबा अस्पताल शहर के नर्मदापुरम मेन रोड के समीप ही स्थित है और इसी रोड पर विश्वस्तरीय रानी कमलापति रेलवे स्टेशन और आईएसबीटी भी स्थित है ऐसे में आकस्मिक परिस्थितियों में मरीजों का आवागमन जारी रहता है। वहीं, नजदीक होने के चलते सड़क हादसे के मामले भी सबसे पहले कस्तूरबा अस्पताल ही पहुंचते हैं,लेकिन आईसीयू समेत अन्य सुविधाएं बेहतरीन ना होने के चलते अस्पताल प्रबंधन द्वारा उन्हें अन्य अस्पताल में रेफर करना पड़ता था,लेकिन अब माड्यूलेटेड इमरजेंसी केयर यूनिट और इमरजेंसी मेडिकल वार्ड को शुरू मरीजों को काफी राहत मिल सकेगी। इस नए आईसीयू वार्ड को शुरू करते हुए भेल के कार्यपालिक निदेशक एसएम रामनाथन ने कहा है कि सभी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों को बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए भेल प्रबंधन प्रयासरत है। मरीजों को अस्पताल में नए डॉक्टरों की उपलब्धता के साथ साथ अन्य नई सुविधाओं की भी जानकारी दी। नवीनीकृत आईसीयू व कैजुअलिटी के बनने से मरीजों को सुविधा होगी।

इन सुविधाओं में किया गया सुधार

कस्तूरबा अस्पताल की अधीक्षक डॉ. अल्पना तिवारी ने बताया कि अस्पताल में 6 जनरल ड्यूटी मेडीकल ऑफीसर व एक ऑर्थोपेडिक स्पेशलिस्ट डॉक्टर ने ज्वाइन किया है तथा रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी, पीडियाट्रिक व फिजियोथेरेपी में कई नई मशीनें आई हैं। मेडीकल विभाग में दो नए डीएनबी डॉक्टर्स भी आए हैं। पहले अस्पताल में सुपर स्पेशलिस्ट न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरो सर्जन सेवाएं मिल रही हैं।

Patrika	Pub. Date	07.04.2024
	Page no.	01
	Journalist	Bhopal Bureau

सुविधा | भारतीय मजदूर संघ और भेल की बैठक में निर्णय

मिठाई के 750 व सेफ्टी शूज के मिलेंगे 1600 रुपए

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

पिपलानी. भारतीय मजदूर संघ एवं भेल प्रबंधन की बैठक में भेलकर्मियों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें दो मुद्दों पर सहमति की बात सामने आई। वेलफेयर कमेटी की बैठक में शिशुपाल यादव और राकेश कौल भारतीय मजदूर संघ की ओर से प्रतिनिधि के तौर पर सम्मिलित हुए। भेल प्रबंधन ने बताया कि मिठाई की राशि 290 से बढ़ाकर 750 रुपए कर दी गई है, किंतु 290 की राशि की मिठाई के टेंडर पहले जारी हो चुके हैं। ऐसे में शेष 460 रुपए फूड कूपन के रूप में दिए जाएंगे। इस राशि का भुगतान संबंधित टेंडर एजेंसी को किया जाएगा। बैठक में यह भी बताया कि इस कूपन का उपयोग भेलकर्मी अन्य सामान्य खरीदने में भी कर सकेंगे। भेल के स्टोर रूम में 7 अप्रेल तक मिठाई आ जाएगी। इसके बाद 9 अप्रेल से इसका वितरण किया जा सकेगा।

अप्रेंटिस ट्रेनी को भी मिलेगा गिफ्ट: इस गिफ्ट का वितरण पूर्व की भांति भेल प्रबंधन द्वारा रेगुलर कर्मचारी-अधिकारी, सुपरवाइजर, ठेका श्रमिक, सोसायटी वर्कर, अप्रेंटिस ट्रेनी, सीआईएसएफ सहित अन्य सभी को किया जाएगा। इसके अलावा अन्य उपहार भी समय से मुहैया कराए जाएंगे।

कर्मचारियों को नकद राशि देने मिली मंजूरी

बैठक में चर्चा के दौरान बताया गया कि वर्ष 2023-24 के सेफ्टी शूज के लिए जो प्रस्ताव बनाया गया था। उसे अप्रूवल मिल गया है इसके लिए 1600 रुपए की नगद राशि भेलकर्मियों को मुहैया कराई जाएगी।

Swadesh	Pub. Date	08.04.2024
	Page no.	04
	Journalist	Bhopal Bureau

कार्य योजना को पूरा करने की तैयारी

बीएलईएल देश में बनाएगा 1 हजार बैटरी चार्जिंग स्टेशन

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

बीएचईएल द्वारा इलेक्ट्रिक कारों और दो पहिया वाहनों के लिए बैटरी का निर्माण करने की तकनीक पर कार्य रहा है। बैटरी को चार्ज करने के लिए कंपनी द्वारा देशभर में करीब 1 हजार से ज्यादा बैटरी चार्जर स्टेशन बनाए जाएंगे। यहां पर बैटरियों को चार्ज करने की सुविधा वाहन चालकों को मिल सकेगी। बीएचईएल दिल्ली बोर्ड द्वारा ऑल इंडिया स्तर पर इस कार्य योजना को पूरा करने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार भेल द्वारा बनाई जाने वाली इलेक्ट्रिक बैटरी से दो घंटे की चार्जिंग के बाद 40-50 प्रतिघंटे की रफ्तार से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी एक बार में तय की जाएगी। शीघ्र ही इसका विनिर्माण किया जाएगा। यह तकनीक देश की अन्य जरूरतें भी पूरी करेगी। इससे उपग्रहों और प्रक्षेपण यानों में लिथियम आयन बैटरी का उपयोग करता है। यह उच्च ऊर्जा घनत्व और विश्वसनीयता के साथ ही यह टिकाऊ बैटरी दीर्घावधि सेवाएं देती है। भेल की बैंगलूर इकाई में जो बैटरी का निर्माण किया जाएगा, उससे इलेक्ट्रिक कारों और दो पहिया वाहनों में लगाया जाएगा। देश में बढ़ते पेट्रोल के दामों के बाद उम्मीद की जा रही है कि अब सड़क पर चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों को भी इसी बैटरी से गति मिलेगी। यह बेहद ताकतवर और आसानी से चार्ज हो सकने वाली बैटरी है। विभिन्न परिस्थितियों में इस बैटरी को परखा जा चुका है और इसके जीवनकाल को लेकर भी कहीं कोई संदेह नहीं है।

इस क्षमता की बैटरी होगी तैयार

बीएचईएल की बैंगलूर इकाई में बनने वाली बैटरी की क्षमता को इलेक्ट्रिक कारों के साथ ही दो पहिया वाहनों के लिए बनाया जा रहा है।

Patrika	Pub. Date	07.04.2024
	Page no.	03
	Journalist	Bhopal Bureau

अतिक्रमण की कार्रवाई के दौरान हुआ हंगामा, पुलिस पहुंची

एम्स और करोंद के पास खाली कराई करोड़ों की सरकारी जमीन

भोपाल © पत्रिका. सरकारी जमीन पर जमे कब्जे हटाने के दौरान शनिवार को करोंद और एम्स इलाके में जमकर हंगामा हुआ। मौके पर पुलिस प्रशासन ने मोर्चा संभाला और सख्ती के साथ बुलडोजर चलाकर कब्जे हटाए। इस दौरान करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन खाली कराई गई। करोंद उड़िया बस्ती में नगर निगम की खाली जमीन पर शनिवार को ही बांस-बल्लियों से बनाई झुग्गियों को निगम व प्रशासन की टीम ने हटाया। दूसरी बड़ी कार्रवाई भेल क्षेत्र की पिपलिया पेंदे खां में हुई। यहां करीब साढ़े पंद्रह करोड़ रुपए की सरकारी जमीन पर कब्जा कर उसका विक्रय किया जा रहा था। इसे हटाया गया। उड़िया बस्ती शंकर नगर में 20 से 25 की संख्या में झुग्गियां बनाई गई थीं। नगर निगम अमले के साथ तहसीलदार दिलीप कुमार चौरसिया व नायब तहसीलदार रामजी तिवारी, अतिक्रमण अमला प्रभारी नासिर खान व पुलिस बल की उपस्थिति में कार्रवाई की। इस दौरान करीब 25 महिलाएं जमा हो गईं।

भू-माफिया ने दानपत्र पर बेच दी 15 करोड़ की 1.72 एकड़ सरकारी भूमि

गड़बड़झाला ● खरीदारों ने बनाए मकान, दुकान, निगम प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में शासकीय जमीनों पर भूमाफिया की नजर बनी हुई है। वह मौका मिलते ही खाली पड़ी जमीनों पर कब्जा कर अवैध निर्माण भी कर रहे हैं, साथ ही प्लाटिंग कर मुनाफा भी कमा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला एमपीनगर तहसील क्षेत्र के ग्राम पिपलिया पेंदे खां में सामने आया है। यहां भूमाफिया ने दान पत्र पर 15 करोड़ 50 लाख रुपये की शासकीय जमीन दान पत्र पर बेच डाली। इतना ही नहीं खरीदारों ने शासकीय जमीन पर मकान, दुकान तक बनाना शुरू कर दिए थे। जब प्रशासन को पता चला तो शनिवार को अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया गया।

इस दौरान खरीदारों ने अधिकारियों को रजिस्ट्री बताई है। अब जांच कर प्रशासन भूमाफिया के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराएगा। बता दें कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे की खबर को नवदुनिया ने शनिवार को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। इसके बाद प्रशासन ने यह कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार एमपीनगर के ग्राम पिपलिया पेंदे खां स्थित लगभग पौने दो एकड़ शासकीय भूमि पर भूमाफिया जिंसी चौराहा जहांगीराबाद निवासी भैया भाई, शहजाद और पिपलिया पेंदे खां निवासी जाहिद अहमद ने कब्जा कर रखा था। तीनों के द्वारा शासकीय भूमि पर प्लाट बेचे जा रहे थे।

उक्त भूमि का बाजार मूल्य 15 करोड़ 50 लाख रुपये है। एसडीएम लक्ष्मीकांत खरे ने बताया कि भूमाफिया ने पिपलिया पेंदे खां की शासकीय जमीन पर दो महीने पहले ही कब्जा किया था और अवैध प्लाटिंग शुरू कर दी थी। यहां भूमाफिया ने दानपत्र पर लोगों को प्लाट बेचकर लाखों रुपये वसूल लिए। दो महीने में लगभग एक दर्जन से अधिक लोगों को प्लाट बेचे गए हैं। बताया जा रहा है कि भूमाफिया ने सभी प्लाट उत्तरप्रदेश और बिहार के लोगों को बेचे हैं, जिन्हें यहां की स्थिति के बारे में कुछ पता नहीं है।

महिला ने खरीदा था 11 लाख में प्लाट: प्रशासन ने अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाया तो लोगों ने विरोध शुरू कर दिया था। यहां तेजी से मकानों का निर्माण कार्य शुरू हो गया था। एक महिला ने बताया कि उसको एक हजार वर्ग फिट का प्लाट 11 लाख रुपये में बेचा गया था। उसने यहां रहना तक शुरू कर दिया था। इतना ही नहीं अन्य दो लोगों ने दुकानें तक बनाकर संचालित करना शुरू कर दिया था।

पिपलिया पेंदे खां में कब्जा हटाने की कार्रवाई करने पहुंचे निगम अधिकारी। • नवदुनिया

नवदुनिया में एक अप्रैल को प्रकाशित खबर।

शासकीय भूमि पर कब्जा करने पहुंची महिलाओं को प्रशासन ने रोका

भोपाल (नप्र)। गोविंदपुरा तहसील के शंकर नगर उड़िया बस्ती में शासकीय भूमि पर शनिवार सुबह महिलाएं कब्जा करने पहुंच गईं। इसकी खबर लगते ही नगर निगम के अधिकारियों ने प्रशासन और पुलिस के सहयोग से अवैध कब्जे पर रोक लगा दी। मालूम हो कि पिछले वर्ष रेलवे ट्रैक के किनारे से झुग्गियों को हटाने की कार्रवाई की गई थी। जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह शंकर उड़िया बस्ती में आटो और ठेलों में बांस-बल्ली, तिरपाल और टीन की चादरें लेकर लोग पहुंच गए। यहां पहुंचने वालों में सबसे ज्यादा महिलाएं थीं। जमीन दो घंटे में ही दो दर्जन से अधिक लोगों ने कब्जा कर लिया। उनका कहना था कि वे गैस पीड़ित हैं। रेलवे पटरी किनारे उनकी झुग्गियां थीं, जिन पर रेलवे ने बुलडोजर चला दिया है। उनके पास अब सिर छिपाने की जगह नहीं है। वहीं अधिकारियों ने कहा कि रेलवे अपनी जमीन खाली करा रहा है, किसी का हक नहीं मार रहा। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। मौके पर सहायक अतिक्रमण प्रभारी नासिर खान ने बताया कि महिलाएं मानने को तैयार नहीं थीं। आखिर में जब पुलिस अधिकारियों ने एफआइआर कराने की चेतावनी दी, तो महिलाएं वहां से चली गईं। वहीं इस संबंध में गोविंदपुरा तहसीलदार विनीत कुमार चौरसिया ने बताया कि रेलवे पटरी के किनारे से हटाए गए परिवारों को आरिफ नगर सहित अन्य जगह विस्थापित किया जा चुका है। कुछ महिलाएं यहां आ गई थीं।

> तीनों भूमाफिया ने शासकीय जमीन पर कब्जा कर दो महीने पहले प्लाटिंग शुरू की थी। उन्होंने बाहर के लोगों को सस्ते दामों में दानपत्र पर प्लाट बेचे हैं। कुछ ने मकान बना लिए थे तो कुछ निर्माण कर रहे थे। सभी अवैध निर्माणों को तोड़ दिया गया है। जल्द ही भूमाफिया के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई जाएगी।
>
> – लक्ष्मीकांत खरे, एसडीएम एमपी नगर

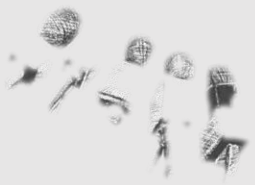

Dainik Jagran

Pub. Date	07.04.2024
Page no.	04
Journalist	Bhopal Bureau

15.50 करोड़ की सरकारी जमीन से प्रशासन ने हटाया कब्जा

पिपलिया गांव में सरकारी जमीन पर काटे जा रहे थे प्लाट

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। बरखेड़ा पठानी इलाके के पास पिपलिया पेंदे खां गांव में सरकारी जमीन पर प्लॉट काटे जा रहे थे। भूमाफिया ने करीब 2 एकड़ सरकारी भूमि पर कब्जा कर प्लॉटिंग शुरू कर दी थी। प्लॉट बेचने के लिए बाकायदा ऑफिस भी बनाया गया था, सड़क निर्माण भी किया गया था। अतिक्रमण की शिकायत पर शनिवार को जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस और बीएचईएल के अधिकारियों ने संयुक्त कार्रवाई की। तीन जेसीबी लेकर पहुंची प्रशासन की टीम ने अवैध निर्माण को जमींदोज कर दिया। एमपी नगर एसडीएम एल के खरे के निर्देशन में तहसीलदार एमपीनगर सुनील वर्मा, थाना प्रभारी बागसेवनिया अमित सोनी, नायब तहसीलदार अन्वेषिका सर्राफ, भेल अधिकारी चित्रेश दत्ता, नगर निगम अतिक्रमण शाखा प्रभारी प्रीतेश गर्ग कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे थे। 3 जेसीबी के माध्यम से ग्राम पिपलिया पेंदे खां स्थित भूमि खसरा क्रमांक – 101,102, 103,104 रकबा 0.700 हेक्टयर भूमि को भू-माफिया भैया भाई आ.अम्मू

भाई, शहजाद आ. जमील, निवासी- जिंसी चौराहा, जहीर अहमद आ. हबीब अहमद, निवासी-पिपलिया पेंदे के विरुद्ध कार्रवाई कर शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई गई। उक्त भू-माफिया द्वारा शासकीय भूमि में प्लाटिंग कर भूमि विक्रय की जा रही थी जिसका बाजार मूल्य 15 करोड़ 50 लाख रुपए है।

शंकर नगर से भी अतिक्रमण हटाया

वार्ड -76 में नगर निगम की जमीन पर ही झुग्गियां तानी जा रही थीं। इसकी सूचना पर जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और अतिक्रमणकारियों के अवैध निर्माण को तोड़ दिया। इस दौरान अधिकारियों और अतिक्रमणकारियों के बीच नोंक झोंक भी हुई। मामला शंकर नगर इलाके का है, जहां सरकारी जमीन पर शनिवार सुबह कुछ लोग झुग्गियां बना रहे थे। शिकायत मिलते ही पुलिस की मौजूदगी में निगम और प्रशासन के अफसरों ने बांस-बल्ले हटवा दिए। नगर निगम के अतिक्रमण प्रभारी नासिर खान ने बताया कि जमीन नगर निगम की है। अपर आयुक्त पवन सिंह के निर्देश पर मौके पर पहुंचे थे। यहां जमीन पर कब्जा किया जा रहा था। लोगों को समझाइश दी गई कि वे ऐसा नहीं करें। तहसीलदार दिलीप कुमार चौरसिया, नायब तहसीलदार रामजी तिवारी समेत छोला टीआई एवं पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे।

गैस पीड़ित संगठन ने लिया पक्ष : गैस पीड़ित संगठन भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन एंड एक्शन की रचना ढींगरा ने बताया कि कार्बाइड फैक्ट्री के पीछे बसे परिवारों के घर 15 महीने पहले तोड़े गए थे। इन्हें अब तक कहीं भी विस्थापित नहीं किया गया है। अब रेलवे भी उनके घर तोड़ रहा है। ये लोग ही सरकारी जमीन पर अपने घर बनाने के लिए आए थे, जिन्हें परेशान किया गया।

Raj Express	Pub. Date	07.04.2024
	Page no.	04
	Journalist	Bhopal Bureau

एक्शन : प्रशासन की कार्रवाई, जमींदोज किए निर्माण

तीन लोगों के खिलाफ कराई जाएगी एफआईआर

भोपाल (आरएनएन)। एम्स से लगी बीएचईएल की पौने दो एकड़ जमीन दान पत्र पर बेची जा रही थी। यहां बीस से अधिक लोगों ने प्लॉट भी खरीद लिए थे। कॉलम और पिलर बनाकर मकान बनाए जा रहे थे। शनिवार को एसडीएम एमपी नगर दल के साथ मौके पर पहुंचे और सरकारी जमीन पर किए गए पक्के निर्माण को ढहा दिया। कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन की कीमत साढ़े पंद्रह करोड़ आंकी गई है। अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम को पहले विरोध का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना था कि उन्हें भैया भाई, शहजाद और जहीर अहमद ने दान पत्र पर यहां प्लॉट बेचे हैं।

दरअसल, एम्स से लगी भेल की जमीन है। इस जमीन पर अवैध रूप से कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा था। यहां पर कुछ लोग दानपत्र के माध्यम से प्लाट बेच रहे थे। इसकी सूचना भेल अफसरों को मिली। इसके बाद प्रशासन और पुलिस का सहयोग लेते हुए शनिवार को कार्रवाई की गई। एसडीएम एलके खरे ने बताया कि यह सरकारी जमीन है। इस पर प्लॉट नहीं बेचे जा सकते हैं। इसके बाद सभी निर्माणों को जेसीबी की सहायता से जमींदोज कर दिया गया। साथ ही तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर भी कराई जा रही है।

Nav Duniya	Pub. Date	08.04.2024
	Page no.	03
	Journalist	Bhopal Bureau

भेल में 'नई शाप पालिसी' से पस्त बाजार

असंतोष ● नाराज व्यापारी वर्ष 2014 से लगातार कर रहे विरोध, फिर भी प्रबंधन नहीं दे रहा ध्यान

नवदुनिया एक्स

जिम्मेदारों की अनदेखी

आक्रोश

इंदौर वर्मा ● भोपाल

एक नजर में भेल के बाजार: **60** वर्ष से अधिक पुराने बाजार | **14** बाजार | **1420** दुकानें

शहर के उपनगर भेल टाउनशिप में वर्ष-2014 से लागू नई शाप पालिसी ने व्यापारियों की नींद उड़ा रखी है। दरअसल भेल प्रबंधन द्वारा टाउनशिप में चालू 14 बाजारों की करीब 1420 दुकानों का किराया बढ़ाया है। इनमें से कुछ व्यापारी समय पर बढ़ा हुआ किराया जमा कर रहे हैं, लेकिन अधिकांश ने नई पालिसी का विरोध कर दिया है और वे भेल नगर प्रशासन को बढ़ा हुआ किराया नहीं दे रहे हैं। ऐसे में दुकानों का किराया पेंडिंग होता जा रहा है। व्यापारी पुरानी दर से किराया जमा कर रहे हैं, जबकि भेल की नई शाप पालिसी के तहत दुकानों का किराया पांच से 16 हजार रुपये बढ़ाया गया है। वर्ष-2014 से अब तक 10 वर्षों में पांच से 80 रुपये तक पेंडिंग राशि हो गई है। अधिकांश व्यापारी बिजली के बिल और पुरानी दर से किराए की राशि जमा कर रहे हैं। पुराना किराया 150 से पांच हजार रुपये तक था, लेकिन नई शाप पालिसी में किराया पांच गुना से भी अधिक कर दिया गया। इसका भेल व्यापारी महासंघ निरंतर विरोध कर रहा है।

भेल टाउनशिप में स्थित बरखेड़ा क्षेत्र में दुकानें। ● नवदुनिया

आखिर क्यों है असंतोष

भेल टाउनशिप में किसी समय 22 हजार भेल कर्मचारियों के परिवार निवास करते थे। एक से सवा लाख की आबादी सीधे तौर पर भेल के बाजारों से जरूरी सामग्री की खरीददारी करती थी। अब भेल में करीब पांच हजार कर्मचारी व अधिकारी बचे हैं। इनमें से टाउनशिप के आवासों में एक हजार कर्मचारी अपने परिवार के साथ रहते हैं। टाउनशिप में बाहरी आबादी को भी जोड़ लें तो 25 हजार से अधिक आबादी नहीं बची है। ऐसे में अब भेल की दुकानें अधिक नहीं चलती हैं। ऐसे में बढ़ा हुआ जमा करना भेल व्यापारियों को रास नहीं रहा है, इसलिए व्यापारी भेल प्रबंधन के निर्णय का लगातार विरोध कर रहे हैं।

नई शाप पालिसी पर बीच का रास्ता निकाला जाना चाहिए। शहर, प्रदेश, केंद्र में भाजपा की सरकार है। फिर भी मामला उलझा हुआ है। इससे व्यापारी परेशान है। अब हमें चुनाव के बाद नए लोकसभा सदस्य से उम्मीद रहेगी, वो केंद्र में इस मामले को उठाएं।

–रामबाबू शर्मा, अध्यक्ष, भेल व्यापारी महासंघ

भेल की नई शाप पालिसी अब तक उलझी हुई है। एक दशक बाद भेल प्रबंधन कोई निर्णय नहीं ले पा रहा। बढ़ा हुआ किराया व्यापारी कैसे दें। अब पहले जितनी दुकानें नहीं चलती हैं। राजनीति न हो। किराया कम किया जाए। जरूरत से ज्यादा किराया बढ़ाया गया है।

–मनोज सिंह जादौन, पूर्व अध्यक्ष भेल व्यापारी महासंघ

दुकानों का किराया जब से बढ़ा है, तब से बढ़ा हुआ किराया पेंडिंग हो गया है। भेल प्रबंधन इस दिशा में विचार करना चाहिए।

–रवि चौरसिया, भेल व्यापारी

भेल टाउनशिप के बाजारों की दुकानों का किराया बढ़ाने के लिए नई शाप पालिसी भेल कार्पोरेट स्तर पर लाई गई है। स्थानीय स्तर का मामला नहीं है। कई व्यापारी नई शाप पालिसी के तहत बढ़ा हुआ किराया जमा कर रहे हैं।

–विनोदानंद झा, भेल प्रबंधन

हमने कई धरने-आंदोलन किए और भी करेंगे। जब तक भेल प्रबंधन बढ़ा हुआ किराया कम नहीं कर लेता है, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। भेल प्रबंधन की नई शाप पालिसी नीतिगत नहीं है। मनमाने ढंग से किराया बढ़ाया गया है। इस पालिसी से बाजार प्रभावित हो रहा है, व्यापारी नाखुश है।

–नरेश पारीलिया, भेल व्यापारी